CSWCJS

सामाजिक कार्य और आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रमाणपत्र

(सीएसडब्ल्यूसीजेएस)

सत्रीय कार्य-2025

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली

सत्रीय कार्य भेजने के लिए अनुसूची

प्रिय विद्यार्थी

हमें उम्मीद है कि आप सीएसडब्ल्यूसीजेएस कार्यक्रम मार्गदर्शिका को ध्यानपूर्वक पढ़ चुके होंगे। हमने इस मार्गदर्शिका में यह समझाया है कि इग्नू को सत्र–समाप्ति की परीक्षा में पात्र बनने के लिए दिये गये सत्रीय कार्य को निश्चित समयाविधि में पूरा करना आवश्यक है। सीएसडब्ल्यूसीजेएस के सभी सत्रीय कार्य अध्यापक चिन्हित सत्रीय कार्य (टीएमए) एवं सतत मूल्यांकन प्रक्रिया का हिस्सा है। आपको अलग–अलग सत्रीय कार्य, MSW–031 और MSW–032 दिये जा रहे हैं। (जनवरी 2025 और जुलाई 2025 के लिए पंजीकृत छात्रों के लिए)।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले, आप कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिये गये निर्देश और पाठ्यक्रम सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। उत्तर लिखने से पहले सत्रीय कार्य सम्बन्धित निर्देशों को ध्यान से पढें। अगर आपको पाठ्यक्रम और सत्रीय कार्य से सम्बन्धित कोई सन्देह या समस्या है तो आप अपने अध्ययन केन्द्र में सम्बन्धित शैक्षिक सलाहकार से सम्पर्क करें।

आपसे अनुरोध है कि आप पहले पाठ्यक्रम सामग्री को पढें और तब उसके बाद सत्रीय कार्य को निर्देशों के अनुसार तैयार करें। आपके उत्तर, शाब्दिक सामग्री/ब्लॉक जो आपको स्वयं के सीखने के उद्देश्य से दी गयी है से शब्दशः नकल नहीं होना चाहिए। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिएं।** कृपया अपने सत्रीय कार्य के उत्तर दी गयी तारीख के पहले जो कि आपकी रसीद पर उल्लेखित है, अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा करें। आप से उम्मीद की जाती है कि आप सत्रीय कार्य की एक कार्बन कॉपी या फोटो कॉपी भविष्य में किसी भी सन्दर्भ या प्रयोग के लिए रखें।

सत्रीय कार्य जमा करने से सम्बन्धित नवीनतम जानकारी के लिए इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.inदेखें।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ।

(डॉ बिनोद कुमार)
कार्यक्रम समन्वयक
ई मेल binodkumar@ignou.ac.in
cswcjsinfo@ignou.ac.in

समाज कार्य और आपराधिक न्याय (एम.एस.डब्ल्यू.–032)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–032

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **पांच** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग **500** शब्दों में) दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. 'साक्ष्य' के अर्थ और प्रकारों पर चर्चा करें? आपराधिक न्याय प्रणाली में साक्ष्य की प्रासंगिकता की व्याख्या करें। 20

2 भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों की मदद से मेर्टन के तनाव सिद्धांत और अनुकूलन के तरीकों की व्याख्या करें। 20

3. भारत में आपराधिक न्याय की एजेंसी के रूप में 'पुलिस' की भूमिका का मूल्यांकन करें। 20

4. निर्दोषता की धारणा से आपका क्या अभिप्राय है? आपराधिक न्याय प्रणाली में निर्दोषता की धारणा के सिद्धांत की प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 20

5. 'आरोप निर्धारण' का क्या अर्थ है? आपराधिक न्याय प्रणाली में आरोप निर्धारण के महत्व पर चर्चा करें। 20

6. आपराधिक मुकदमे में शामिल विभिन्न चरणों की विस्तार से व्याख्या करें। 20

7. परिवीक्षा की अवधारणा, अर्थ और दर्शन की व्याख्या करें। भारत में परिवीक्षा के ऐतिहासिक विकास पर चर्चा करें। 20

8. भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों के साथ दंड के विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा करें। 20